डॉ. अजय कुमार शर्मा
सहा. प्राध्यापक
(वाणिज्य)
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर

विषय :– बजट के प्रकार एक अध्ययन

प्रस्तावना :–

सबसे पहले तो आपको यह जानना जरुरी है की बजट होता क्या है ? सरकार द्वारा हमारे रोटी ,कपडा और मकान के लिए जो भी नीति अपनाती है उसपर करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। यह खर्च तभी किया का सकता हैं जब आमदनी हो। जिस प्रकार हम सभी को अपना खर्च चलाने के लिए कई न कई से पैसे बनाने पड़ते हैं। और यह पैसे हम या तो अपने किसी कारोबार या अपनी नौकरी से अर्जित करते हैं। हम अपने खर्चों और प्राप्तियों के बारे में एक लेखा जोखा रखते हैं उसके अनुसार ही अपने कर्यों की रणनीतियां बनाते हैं। ठीक उसी प्रकार से भारत सरकार द्वारा भी अपनी आमदनी और खर्चे का ब्यौरा हर साल संसद को देना होता है। सरकार अपने साल भर के खर्चे और आमदनी के बारे में ब्यौरा देती है। इसमें सरकार अपने खर्चे के विवरण और आमदनी के स्त्रोतों के बारे में बताती है। यही वर्ष भर का खर्चा और आमदनी यूनियन बजट (Union Budget) कहलाता है।

बजट का आशय :–

बजट एक ऐसा शब्द है जोकि, आम जिंदगी मे बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. कोई भी समझदार व्यक्ति अपने हर छोटे बड़े काम या कोई भी खर्चे या निवेश का बजट बना कर ही करता है. ठीक उसी तरह सरकार भी अपने मुख्य कार्य, आय-व्यय का लेखा-जोखा बजट से ही करती है. तथा हर वर्ष सरकार जनता के सामने अपना बजट प्रस्तुत करती है. बजट सरकार व प्रत्येक व्यक्ति की जिन्दगी का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा है।

'बजट' शब्द फ्रैंच भाषा के शब्द 'बूजट' (bougette) से बिगड़ कर बना है। फ्रैंच भाषा में बूजट का अर्थ होता है "झोला"। साल 1733 में ब्रिटिश वित्त मंत्री सर रॉबर्ट वालपोल ने अपने वित्तीय प्रस्तावों से जुड़े कागजातों को संसद में पेश करने के लिए अपने एक चमड़े के थैले से निकाला तो उस समय उनका मजाक बनाते समय कहा गया की "बजट खोला गया"।

बजट की परिभाषा

बजट, भविष्य के लिये की गई वह योजना है जो, पूरे साल की राजस्व व अन्य आय तथा खर्चो का अनुमान लगा कर बनाई जाती है. जिसमे वित्तीय मंत्री के द्वारा, सरकार के समक्ष अपनी व्यय का अनुमान लगा कर, आने वाले वर्ष के लिये कई योजनायें बना कर, जनता के सामने हर वित्तीय वर्ष के दौरान प्रस्तुत करती है. एक आदर्श बजट वह होता है जिसमे,किसी का स्वार्थ ना हो. सरकार द्वारा उस बजट मे लोग, व्यापार, सरकार, देश, बहुराष्ट्रीय संगठन के लिये,

एक व्यक्ति, परिवार, समूह के लिये अच्छी से अच्छी योजनायें बनाई गई हो तथा खर्चे व निवेश किये गये हो।

संविधान के अनुसार बजट

संविधान के अनुछेद (Artical) 112 **के अनुसार, राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान ,संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण रखवाते है, जिसमे सरकार के गत वर्ष के आय/प्राप्तियों व व्ययों का ब्योरा होता है बजट मे अनुमानित मुख्य रूप से दो मदों को लिखा जाता है** –

1. **भारत सरकार की संचित निधि पर लगे व्यय.**
2. **सरकार की संचित निधि के लिये किये जाने वाले अन्य व्ययों की भरपाई के लिये अपेक्षित राशि.**

इसके आलावा अन्य तथा राजस्व व्ययों का विवरण बजट मे देना होता है.

बजट निर्माण के उद्देश्य (Aim of Budget in hindi)

प्रत्येक वर्ष के लिये सरकार पूर्व मे ही योजना बना लेती है. जिसमे सरकार की आय के स्त्रोत जैसे- भिन्न-भिन्न करो की वसूली या टैक्स, राजस्व से आय, सरकारी फीस-जुर्मना, लाभांश, दिये

गये ऋण पर ब्याज आदि सभी आय और इन आय को वापस जनता के लिये लगाना बजट का मुख्य उद्देश्य होता है।

- **आर्थिक विकास की दर मे वृद्धि करना.**
- **गरीबी व बेरोजगारी को दूर करना.**
- **असमानताओ को दूर कर आय का सही योजनाओं मे उपयोग करना.**
- **बाजार मे मूल्य व आर्थिक स्थिरता बनाये रखना.**
- **अन्य सभी क्षेत्रों रेल, बिजली, वित्त, अनाज, खाद्यपदार्थ, बैंकों के लिये भी फण्ड रखना.**

बजट के प्रकार

सामान्यतया सालाना बजट वित्त मंत्रालयों मे उनके बाटे गये विभाग द्वारा बनाये जाते है. जिसकी अंतिम मंजूरी राष्ट्रपति द्वारा दी जाती है जोकि, केन्द्र व राज्य सरकार दोनों के सम्बन्ध मे होती है. रेल बजट,रेल मंत्रालय द्वारा अलग से तैयार किया जाता है. बजट के मुख्य रूप से तो दो ही प्रकार होते है-

1. **केन्द्रीय बजट**
2. **रेल बजट**

केन्द्रीय बजट

केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया सबसे बड़ा बजट जो हर वर्ग के व्यक्ति को ध्यान मे रख कर बनाया जाता है. जिसे आम बजट भी कहा जाता है इसमें सभी तरह के प्रावधान होते है जोकि, बिल के रूप मे पारित होते है. प्रत्येक वर्ष नये बजट के साथ नये नियम व कानून के साथ पारित होते है. केन्द्रीय बजट के कई छोटे-छोटे प्रावधान है,जिनके लिये बजट बनाया जाता है,जैसे-

रेल बजट

संसद मे रेल मंत्री द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान रेल बजट प्रस्तुत किया जाता है. जिसमे आम जनता के लिये,

- **कई नयी ट्रेनों की घोषणा की जाती है.**
- **यात्रियों के लिये ई-रेलवे की सुविधाये.**
- **ट्रेनों मे तथा प्लेटफार्म पर सुविधाये घोषित करना.**
- **एसएमएस और नेट के द्वारा बुकिंग तथा चैकिंग की सुविधा.**

यह दो मुख्य रूप से बनाये गये बजट होते है. जोकि, जहा तक संभव हो इसे फरवरी मे बनाया जाता है. और वित्तीय वर्ष के दौरान घोषित किया जाता है. ठीक इसी तरह केन्द्र के बजट जोकि, पूरे देश पर लागू होते है. परन्तु हर राज्य का अपना एक अलग बजट बनता है जिसमे, वह राज्य के

लिये प्रावधान करती है. कई वर्षों पहले रेल बजट अलग से पेश किया जाता था क्योंकि भारतीय रेल विभाग बहुत ही बड़ा विभाग माना जाता रहा है लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद से रेल बजट को आम बजट में ही शामिल कर लिया गया है अतः अब रेल बजट अलग से पेश नहीं किया जाता।

देश का बजट जीडीपी पर आधारित होता है

सरकारी राजस्व का 85 प्रतिशत से अधिक हम सभी नागरिकों के द्वारा उठाये गए टैक्स से आता है। जैसे की आप सभी जानते हैं दो तरीके के टैक्स होते हैं। पहला टैक्स होता है डायरेक्ट टैक्स (Direct Tax) जिसमें income tax ,corporate tax, दूसरा होता है।

indirect Tax जिसमें की आपका GST ,Customs duty, पेट्रोल डीजल पर excise duty आदि। सरकार को इन टैक्स के एक और तरीके का राजस्व मिलता है जिसे Non Tax Revenue कहा जाता है यह भी कई प्रकार के होते हैं।

भारत सरकार द्वारा निश्चित समय अवधि के अंतर्गत होने वाले अनुमानित खर्चों और प्राप्तियों का पूरा लेखा जोखा या विवरण बजट में होता है। सरकार द्वारा होने वाले खर्चों का अनुमान लगकर बजट तैयार किया जाता है।